वर्ष २०२० के लिए श्रीगुरुमाई के सन्देश पर चिन्तन-मनन का परिचय

स्वामी वासुदेवानन्द द्वारा लिखित

वर्ष १९९१ से लेकर अब तक गुरुमाई चिद्विलासानन्द ने जो नववर्ष-सन्देश प्रदान किए, उस हर सन्देश के साथ उन्होंने हमें वे साधन प्रदान किए हैं जिनसे हम अपनी सत्ता के केन्द्र में प्रवेश कर सकें, अपनी अन्तर्निहित शक्ति तक पहुँच सकें और ऐसे कार्य कर सकें जिससे हमारे इस संसार का कल्याण हो। और *इस* वर्ष के पहले दिन, *मधुर सरप्राइज़* २०२० में गुरुमाई जी ने जो सन्देश प्रदान किया, वह आज के समय के लिए कितना उपयुक्त है इसका महत्त्व, इस बीतते वर्ष के साथ और भी अधिक स्पष्ट हुआ है।

वर्ष २०२० के लिए श्रीगुरुमाई का सन्देश है, 'आत्मा की प्रशान्ति।'

जब मैंने *मधुर सरप्राइज़* २०२० में गुरुमाई जी को अपना सन्देश प्रदान करते हुए सुना तो मेरा ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट हुआ कि उनकी वाणी में कैसा गहन निनाद है, कैसी उन्मुक्तता है। मुझे ऐसा लगा कि गुरुमाई जी अपने अन्तरतम स्थान से बोल व गा रही हैं और वे हमें मार्गदर्शित कर रही हैं कि हम भी अपने अन्तर में उसी स्थान को खोजें।

उसके बाद से मैंने *मधुर सरप्राइज़* में अनेक बार भाग लिया है। हर बार भाग लेने पर मेरे लिए यह और भी अधिक स्पष्ट होता गया है कि हर वह शब्द जो गुरुमाई जी सत्संग में बोलती हैं, हर वह पंक्ति जिसे वे गाती हैं, हर वह सिखावनी जो वे प्रदान करती हैं, उसका उदय ऐसे स्थान से होता है जहाँ गहन सुरक्षा और निस्तब्धता है; और वह शब्द, पंक्ति या सिखावनी हमें उसी स्थान की ओर ले जा रही होती हैं।

इन पृष्ठों पर आपको सिद्धयोग विद्यार्थियों के उन अनुभवों को पढ़ने का सुअवसर मिलगा जो उन्हें श्रीगुरुमाई के नववर्ष-सन्देश पर चिन्तन-मनन करने के फलस्वरूप हुए; इन विद्यार्थियों ने गुरुमाई जी द्वारा सत्संग में प्रदान की गई एक सिखावनी को अपने जीवन में उतारने का निश्चय किया। यह उन प्रश्नों में से एक प्रश्न हो सकता है जिसका अन्वेषण करने के लिए गुरुमाई जी ने हमसे कहा था, या जिस प्रकार उन्होंने मन्त्र-धुन गाने का परिचय दिया, यह उनके द्वारा गाए गए भजन में निहित एक सिखावनी हो सकती है या उनके द्वारा दी गई धारणा हो सकती है जिससे हम ध्यान में उतरे—यह उनके द्वारा बोला गया एक शब्द भी हो सकता है या फिर वह भी हो सकता है

जो उन्होंने अपने मौन द्वारा प्रदान किया। हरेक विद्यार्थी ने यह बोध बनाए रखा कि *मधुर सरप्राइज़* २०२० में गुरुमाई जी द्वारा प्रदान की गई किसी भी एक सिखावनी या अभ्यास का लगन से, परिश्रम व श्रद्धा के साथ पालन करने से, वह विद्यार्थी गुरुमाई जी के नववर्ष-सन्देश के बारे में अपनी समझ को और भी बढ़ा सकता है और अपने जीवन व अपनी साधना के विभिन्न पहलुओं में रूपान्तरण का अनुभव कर सकता है। जिस प्रकार चन्द्रमा की किसी किरण के स्रोत का पता लगाने के लिए व्यक्ति की दृष्टि उस किरण का अनुसरण करते-करते उस प्रकाश के स्रोत तक पहुँच ही जाती है, ठीक उसी प्रकार, इन विद्यार्थियों के दृढ़ प्रयत्नों के फलस्वरूप उनका बोध कालान्तर में, उनकी अपनी सत्ता के केन्द्र में निहित दीप्ति व निस्तब्धता की ओर खिंचता गया।

जैसे-जैसे वे केन्द्रण व निरन्तरता के साथ अपने अन्वेषण करते गए, अकसर उनके अभ्यास ऐसे रूप में फलीभूत हुए कि जिसकी उन्होंने उम्मीद भी न की हो। अपने अभ्यासों द्वारा उन्होंने जो खोज की, उसने उन्हें उत्साह व उमंग से भर दिया; और यह देखकर वे विस्मित भी हुए कि कृपा की छत्रछाया में होने का उन्हें एक नया बोध हुआ है।

और हरेक लेखक ने एक विशेष लाभ के बारे में बताया, वह यह कि वैश्विक अस्थिरता के इस समय में भी वे स्थिरता व प्रशान्तता में और भी अधिक दृढ़ता के साथ अवस्थित होते जा रहे हैं। श्रीगुरुमाई के नववर्ष-सन्देश द्वारा मार्गदर्शन पाकर और गुरुमाई जी की कृपा ने इन लेखकों के अन्दर जिस शक्ति को जगाया है, उस शक्ति पर विश्वास कर, वे यह जान पाए कि संकट की इस घड़ी में वे सशक्त होकर शान्तिदूत बन रहे हैं।

श्रीगुरुमाई के नववर्ष-सन्देश पर चिन्तन-मनन को पढ़ने के बाद हो सकता है कि किसी लेखक द्वारा किए गए किसी सिखावनी के अभ्यास से प्रेरित होकर आप भी उस सिखावनी पर स्वयं खोज करना चाहें। इसके लिए आप पुनः *मधुर सरप्राइज़* २०२० में भाग भी ले सकते हैं और उस सिखावनी पर सूक्ष्मता से ध्यान दे सकते तथा इस पर भी ग़ौर कर सकते हैं कि गुरुमाई जी उस सिखावनी को किस प्रकार प्रदान कर रहीं हैं। फिर आप वह कर सकते हैं जो इन लेखकों ने किया : आप *मधुर सरप्राइज़* २०२० में से उसी सिखावनी पर केन्द्रण कर सकते हैं जिस पर लेखक ने किया या फिर आप किसी अन्य सिखावनी अथवा अभ्यास पर केन्द्रण कर सकते हैं, गहराई से उसका अन्वेषण कर सकते हैं, आपने जो खोज की है उसे लिख सकते हैं और उसे अपनी साधना व अपने दैनिक जीवन में लागू कर सकते हैं।

हो सकता है आप श्रीगुरुमाई के नववर्ष-सन्देश पर या *मधुर सरप्राइज़* २०२० में गुरुमाई जी द्वारा प्रदान की गई किसी एक सिखावनी या अभ्यास पर पहले से ही गहराई से मनन कर रहे हों। यदि ऐसा है, तो आपने जो सीखा है उसे अन्य सिद्धयोग विद्यार्थियों को बताना अत्यन्त लाभकारी हो

सकता है। ऐसा करने के लिए नीचे दिए गए लिंक “Share your experience” पर क्लिक करें। ऐसा करके आप अन्य लोगों को प्रेरित करेंगे कि वे श्रीगुरुमाई के नववर्ष-सन्देश के विषय में अपने अनुभवों को गहरा बना सकें और अपनी समझ को विकसित कर सकें।

© २०२० एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।